वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 01 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

नवप्रवेशी एमबीए छात्रों को मिला 'जॉब रेडी' बनने का संदेश

● 'अभिनंदन-2026' में पुरातन छात्र पीयूष सिंह ने साझा किए कॉरपोरेट सफलता के सूत्र

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग में एमबीए (एचआरडी) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए गुरुवार को इंडक्शन प्रोग्राम 'अभिनंदन-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमबीए (एचआरडी) के स्वर्ण पदक विजेता पुरातन छात्र एवं हिंडाल्को ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में ट्रेनी एग्जीक्यूटिव पीयूष सिंह रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अमृता सिंह, अनु पांडेय और खुशी सिंह की टीम द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति से हुई। इस दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग की गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों, शैक्षणिक सुविधाओं और विभाग की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों और करियर आकांक्षाओं पर लघु प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन द्वितीय वर्ष के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल खुशी सिंह, अनु पांडेय, श्रेया सिंह, अनुराग तिवारी और अमृता सिंह ने किया। प्रतियोगिता में हसरत फातिमा ने प्रथम, शिवानी



श्रीवास्तव ने द्वितीय और प्रांजल मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि पीयूष सिंह ने अपने विश्वविद्यालय जीवन और कॉरपोरेट क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को शुरुआत से ही 'जॉब रेडी' बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अकादमिक ज्ञान के साथ प्रभावी संचार कौशल, अनुशासन, व्यवहारिक समझ और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति कॉरपोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। विभागाध्यक्ष डॉ.रसिकेश ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से 'हम क्या नहीं कर सकते' के बजाय 'हम क्या कर सकते हैं' पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। प्राध्यापक डॉ.प्रवीण मिश्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा देना भी है। शिक्षक अनुपम कुमार ने एचआरडी पाठ्यक्रम की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव और रिषभ साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वालंटियर्स कुणाल मिश्र, निधि सिंह, कपिल यादव, काजल वर्मा, वैशाली राय, शचि सिंह, रिशिता, उज्ज्वल और युगान्त सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने सहयोग किया।

एम.एड. में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग 7 सितंबर को

जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एम.एड.पाठ्यक्रम सत्र 2026-28में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग सात सितंबर 2026 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वेश्वरैया हाल, यू.एन.एस. इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एम.एड. प्रवेश परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया जा चुका है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रथम काउंसलिंग में सामान्य रैंक 001 से 200 तक के अभ्यर्थी सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक तथा रैंक 201 से 370 तक के अभ्यर्थी दोपहर 1:30 बजे से शाम चार बजे तक काउंसलिंग में शामिल हो सकेंगे। अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रारूप 'क' डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही काउंसलिंग के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग स्थल पर उपस्थित होना होगा। काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध हैं।

जौनपुर धारा

नवप्रवेशी एमबीए छात्रों को मिला 'जाब रेडी' बनने का संदेश

'अभिनंदन-२०२६' में गूंजा सफलता का मंत्र

पुरातन छात्र पीयूष सिंह ने साझा किये कारपोरेट सफलता के सूत्र

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग में एमबीए (एचआरडी) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए गुरुवार को इंडक्शन प्रोग्राम 'अभिनंदन-2026' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमबीए (एचआरडी) के स्वर्ण पदक विजेता पुरातन छात्र एवं हिंडाल्को ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में ट्रेनी एग्जीक्यूटिव पीयूष सिंह रहे। इसके बाद अमृता सिंह, अनु पांडेय एवं खुशी सिंह की टीम ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया। इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग की गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों, शैक्षणिक सुविधाओं तथा विभाग की



कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों और करियर आकांक्षाओं पर लघु प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन द्वितीय वर्ष के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल खुशी सिंह, अनु पांडेय, श्रेया सिंह, अनुराग तिवारी एवं अमृता सिंह ने किया। प्रतियोगिता में हसरत फातिमा ने प्रथम, शिवानी श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा प्रांजल मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि पीयूष सिंह ने अपने विश्वविद्यालय जीवन और कॉरपोरेट क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को पहले दिन से ही 'जॉब रेडी' बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अकादमिक ज्ञान के साथ प्रभावी संचार कौशल, अनुशासन, व्यवहारिक समझ और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति कॉरपोरेट जगत में सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हम क्या नहीं कर सकते के बजाय हम क्या कर सकते हैं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसे अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाना चाहिए। प्राध्यापक डॉ. प्रवीण मिश्र ने कहा कि विद्या व्यक्ति को बंधन से मुक्त करती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा देना भी है। शिक्षक अनुपम कुमार ने एचआरडी पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव एवं रिषभ साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वालंटियर्स कुणाल मिश्र, निधि सिंह, कपिल यादव, काजल वर्मा, वैशाली राय, शचि सिंह, रिशिता, उज्ज्वल एवं युगान्त सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग किया।

एमएड में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग सात सितंबर को

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एम.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2026-28 में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग सात सितंबर 2026 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वेश्वरैया हाल, यू.एन.एस. इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एम.एड. प्रवेश परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया जा चुका है और इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। प्रथम काउंसलिंग में सामान्य रैंक 001 से 200 तक के अभ्यर्थी प्रात: 10 बजे से दोपहर एक बजे तक तथा रैंक 201 से 370 तक के अभ्यर्थी दोपहर 1:30 बजे से शाम चार बजे तक शामिल हो सकेंगे। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रारूप 'क' डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरें और काउंसलिंग के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग स्थल पर उपस्थित हों। काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध हैं।

नवप्रवेशी एमबीए छात्रों को मिला 'जॉब रेडी' बनने का संदेश

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ
जौनपुर

- 'अभिनंदन-2026' में गूंजा सफलता का मंत्र
- पुरातन छात्र पीयूष सिंह ने साझा किए कॉरपोरेट सफलता के सूत्र



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग में एमबीए (एचआरडी) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए गुरुवार को इंडक्शन प्रोग्राम 'अभिनंदन-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमबीए (एचआरडी) के स्वर्ण पदक विजेता पुरातन छात्र एवं हिंडाल्को ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में ट्रेनी एग्जीक्यूटिव पीयूष सिंह रहे। इसके बाद अमृता सिंह, अनु पांडेय एवं खुशी सिंह की टीम ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया। इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग की गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों, शैक्षणिक सुविधाओं तथा विभाग की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों और करियर आकांक्षाओं पर लघु प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन द्वितीय वर्ष के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल खुशी सिंह, अनु पांडेय, श्रेया सिंह, अनुराग तिवारी एवं अमृता सिंह ने किया। प्रतियोगिता में हसरत फातिमा ने प्रथम, शिवानी श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा प्रांजल मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि पीयूष सिंह ने अपने विश्वविद्यालय जीवन और कॉरपोरेट क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को पहले दिन से ही 'जॉब रेडी' बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अकादमिक ज्ञान के साथ प्रभावी संचार कौशल, अनुशासन, व्यवहारिक समझ और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति कॉरपोरेट जगत में सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को "हम क्या नहीं कर सकते" के बजाय "हम क्या कर सकते हैं" पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसे अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाना चाहिए। प्राध्यापक डॉ. प्रवीण मिश्र ने कहा कि विद्या व्यक्ति को बंधन से मुक्त करती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा देना भी है। शिक्षक श्री अनुपम कुमार ने एचआरडी पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव एवं रिषभ साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वालंटियर्स कुणाल मिश्र, निधि सिंह, कपिल यादव, काजल वर्मा, वैशाली राय, शचि सिंह, रिशिता, उज्ज्वल एवं युगान्त सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग किया।

समाचार भारत